विरांगना सती साधनी राज्यिक विश्वविद्यालय, गोलाघाट में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के उद्घाटन एवं शिक्षक दिवस पर माननीय राज्यपाल का संबोधन

दिनांक 5 सितंबर 2023, मंगलवार	**समय : 3:00 PM**	**स्थान : Golaghat Engineering College**

- विरांगना सती साधनी राजकीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ज्योतिप्रसाद सैकिया जी,
- असम सरकार की वित्त मंत्री श्रीमत अजंता नेउग जी,
- कृषि मंत्री श्री अतुल बोरा जी,
- खुमटाई विधानसभा के विधायक श्री मृणाल सैकिया जी,
- सरुपथार विधानसभा के विधायक श्री बिश्वजीत फुकन जी,
- विश्वविद्यालय के रेजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक
- सम्मानित सदस्यगण एवं सहकर्मी
- विशिष्ट अतिथिगण और मेरे प्यारे विद्यार्थियों

नमस्कार,

सबसे पहले मैं विरांगना सती साधनी राजकीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ज्योति प्रसाद सैकिया और अन्य प्रचार्यों एवं शिक्षकों को विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के शुभारंभ और शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई देता हूं। इस मौके पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

आज विरांगना सती साधनी राजकीय विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक दिन है। शिक्षक दिवस के शुभ मौके पर आज विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का उद्घाटन किया गया। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे विश्वविद्यालय के इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने का मौका मिला। इसके लिए मैं विश्वविद्यालय परिवार का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

देवियों और सज्जनों,

असम सरकार पिछले एक दशक से शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। राज्य सरकार ने राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण नीतियों और योजनाओं को गंभीरता से लिया है।

राज्य सरकार की इन्हीं नीतियों और योजनाओं का प्रतिफल है गोलाघाट में विरांगना सती साधनी राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना। विरांगना सती साधनी के अविस्मरणीय इतिहास की स्मृति में इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।

विरांगना सती साधनी असम के इतिहास की प्रमुख पात्र है। वह सुतिया राजवंश की अंतिम रानी थीं, जिन्होंने लता कटा रण में अहोम सेना के विरुद्ध वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी थी। युद्ध में हार के बाद उन्होंने शाही आन-बान-शान तथा दुश्मनों के हाथों अपमानित होने के बचने के लए चंदनगिरी पहाड़ियों से कूदकर अपने जीवन का बलिदान दे दिया था।

मैं ऐसी किंवदंती विरांगना के नाम से स्थापित इस विश्वविद्यालय का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस करता हूं।

असम सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने की दृष्टि और उद्देश्यों के साथ विरांगना सती साधनी राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना की है। मुझे आपको बताते हुए खुशी हो रही है कि दो वर्षों के भीतर यह विश्वविद्यालय राज्य के सबसे तेजी से बढ़ते विश्वविद्यालयों में से एक बनकर उभरा है।

कुलपति प्रो. ज्योति प्रसाद सैकिया ने सरकारी प्रतिनिधियों के सहयोग से गोलाघाट में विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 120 बीघा जमीन का अधिग्रहण किया है। इस विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे का डिजाइन आकर्षक है और निर्माण प्रक्रिया तेजी से और व्यवस्थित रूप से चल रही है। फिलहाल विश्वविद्यालय अपना पहला शैक्षणिक सत्र गोलाघाट इंजीनियरिंग कॉलेज की एक इमारत में शुरू कर रहा है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि विश्वविद्यालय ने केवल एक वर्ष के भीतर यूजीसी की 2एफ मान्यता प्राप्त की है। इस बीच विभिन्न वैधानिक निकाय और अध्यादेश भी बहुत कम समय के भीतर बनाए गए हैं। मैं इसके लिए कुलपति प्रो. ज्योति प्रसाद सैकिया का आभार व्यक्त करना चाहूंगा, क्योंकि उनके अथक परिश्रम से यह संभव हो पाया है।

मित्रों,

असम सरकार ने पहले ही इस विश्वविद्यालय के लिए शैक्षणिक और प्रशासनिक संवर्ग के तहत 71 नियमित पदों के सृजन के साथ 11 विभागों को मंजूरी दे दी है। इस विश्वविद्यालय के पास निर्धारित उद्देश्यों और अधिदेशों को पूरा करने और शैक्षणिक सत्रों को शुरू करने के लिए सभी आवश्यक चीजें मौजूद हैं। मुझे इस विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों पर पूरा भरोसा है कि यह विश्वविद्यालय की कार्य-संस्कृति, नवीन अनुसंधान, टीम-वर्क और शिक्षण पद्धतियों के साथ प्रगति के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूरा करते हुए यह विश्वविद्यालय मानक शिक्षा के अपने मानदंड स्थापित करेगा और समाज और राष्ट्र के विकास में उल्लेखनीय योगदान देगा।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय ने कौशल कौशल विकास पर अत्यधिक जोर दिया है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अंतर्गत एपीएससी और यूपीएससी पाठ्यक्रम को नियमित पाठ्यक्रमों में शामिल किया है। इससे विद्यार्थियों को उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान में सहायता मिलेगी। मुझे विश्वास है कि विश्वविद्यालय की शिक्षक बिरादरी व्यक्तियों, समाज और राष्ट्र के लाभ के लिए रचनात्मकता, उत्पादकता और परिपूर्णता की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मुझे पूरा विश्वास है कि इस विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से समझते हैं और पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर, मैं इस महान पेशे से जुड़े लोगों को अपनी शुभकामनाएं और आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से आह्वान करता हूं कि वे ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कार्य में शामिल हों और मानवता के हित के लिए ज्ञान के नए क्षेत्रों की खोज करें

मित्रों,

हमारा भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता और विविधताओं से भरा देश है। दुनिया इसे धन और ज्ञान की भूमि मानती है। दर्शनशास्त्र और गणित के अलावा उच्च स्तर के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास में हमारे देश की बहुत ख्याति है। इसने दुनिया भर के विद्वानों को आकर्षित किया है। अब चंद्रयान-3 की सफलता के रूप में विज्ञान के क्षेत्र में हमारी नई उपलब्धि जुड़ गई है।

11वीं शताब्दी में एक स्पेनिश विद्वान अल-अंडालुसी ने लिखा था, "विज्ञान की खेती करने वाला पहला देश भारत है। भारत अपने लोगों की बुद्धिमत्ता के लिए जाना जाता है।“

शिक्षक हमारी बौद्धिक समृद्धि के मुख्य वास्तुकार हैं। हमारा शिक्षण समुदाय प्राचीन काल से ही मानव संसाधनों के मंथन की जिम्मेदारी निभा रहा है। वे मानव क्षमता, एक समतापूर्ण और निष्पक्ष समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हम वास्तव में बहुत भाग्यशाली हैं कि हमें चाणक्य, स्वामी दयानंद सरस्वती, मुंशी प्रेमचंद, स्वामी विवेकानन्द, सावित्रीबाई फुले, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसी समृद्ध बौद्धिक विरासतें मिली हैं। शिक्षक समुदाय को उनकी अपार भूमिका के लिए मेरी हार्दिक अभिनंदन, जिनके बिना शायद हम आधुनिक भारत की नींव नहीं रख पाते। मैं हमारे समकालीन विचारकों और नेताओं को भी नमन करता हूं, जिनके बिना शिक्षा, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में हमारी प्रभावशाली यात्रा की निरंतरता और नए भारत की आकांक्षाएं अधूरी रहतीं।

यह एक निर्विवाद तथ्य है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच वैश्विक मंच पर भारत की निरंतर उन्नति और नेतृत्व की कुंजी है। यह सच है कि अगले एक या दो दशक में, भारत में युवाओं की आबादी सबसे अधिक होगी, जो कामकाजी उम्र हासिल करेंगे। ऐसे में उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक अवसर प्रदान करने की हमारी क्षमता हमारे देश का भविष्य निर्धारित करेगी।

देवियों और सज्जनों,

शिक्षण एक महान पेशा है। एक शिक्षक युवा मस्तिष्क को आकार देता है, उन्हें जीवन में महान बनने के लिए मूल्यों को विकसित करने में मदद करता है। शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं। वे छात्रों को कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। माता-पिता के बाद बच्चे अपना अधिकतर समय शिक्षकों के साथ बिताते हैं। वे उनका मार्गदर्शन करते हैं, उनके चरित्र का निर्माण करते हैं और उनकी सोचने की क्षमता को आकार देते हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, शिक्षकों ने आम जनता को मातृभूमि के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। आज भी वे सामाजिक पुनर्निर्माण के लिए, विशेषकर हमारे समाज को डायन हत्या, दहेज प्रथा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा आदि जैसी कु-प्रथाओं से मुक्त करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

शिक्षक न केवल छात्रों के शैक्षणिक ज्ञान, बल्कि उनके समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों में जीवन में बड़ी आकांक्षाएं पैदा करने के लिए आदर्श बनना चाहिए। शिक्षकों को विद्यार्थियों में अच्छा इंसान बनने, उनमें साहस, करुणा और सहानुभूति का भाव जागृत करने तथा उन्हें कल्पनाशील और रचनात्मक बनाने में अधिक जोर देना चाहिए।

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पूरे देश में भारत के महान शिक्षक और विद्वान डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के रूप में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें न केवल उनके महत्वपूर्ण कार्यों और शिक्षा के लिए उनके योगदान की याद दिलाता है, बल्कि शिक्षकों को नई पीढ़ियों को शिक्षित कर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है।

मित्रों, वर्तमान परिदृश्य में, विशेष रूप से उच्च शिक्षा में शिक्षकों की जिम्मेदारियां और भूमिका बढ़ गई हैं। शिक्षकों के लिए संलग्नता का क्षेत्र पारंपरिक सीमाओं से परे है। प्रत्येक शिक्षक का मूल्यांकन अनुसंधान परिणाम की गुणवत्ता और ज्ञान उत्पादन में उनके योगदान के अनुसार किया जाएगा।

मेरा मानना है कि इस विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे और सक्रिय रूप से उत्पादक गतिविधियों में भाग लेंगे।

अंत में, मैं एक बार फिर विरांगना सती साधनी राजकीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के आधिकारिक शुभारंभ और शिक्षक दिवस की आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।